NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th

Subject : हिन्दी

Chapter : 1

Chapter Name : हरिहर काका

Q1. कथावाचक और हरिहर काका के बीच क्या संबंध है, और इसके क्या कारण हैं?

Answer. कथावाचक जब बहुत छोटा था तभी से हरिहर काका उसे बहुत लाड़ प्यार करते थे। फिर जब वह जवान हुए तो बड़े होने के बाद वे अपने काका के मित्र बन गए। उस गाँव में उनकी इतनी घनिष्ठ दोस्ती और किसी से भी नहीं हुई। हरिहर काका कथावाचक से अपने मन की बातें खुल कर करते थे। इसलिए कथावाचक को उनके हर एक पल की खबर थी और शायद अपने मित्र के लिए ही काका ने उन्हें बहुत प्यार से बड़ा किया और अपना मित्र बनने का इंतजार किया।

Page : 19 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q2. हरिहर काका को मंहत और अपने भाई एक ही श्रेणी के क्यों लगने लगे?

Answer. अपने भाइयों और मंहत में हरिहर काका को कोई फर्क मालूम नहीं होता था। दोनों ही अपना उल्लू सीधा करने में लगे थे। उनके भाइयों की पत्नियों ने कुछ समय तक तो उनका ध्यान रखा पर बाद में उन्हें बासी और बची-कुची रोटियाँ मिली। उनको सुबह नाश्ता भी नसीब नहीं था। जब वो बीमार होते तो उन्हें बीमारी में पूछने वाला भी कोई नहीं था। जो थोड़ा-बहुत उनके लिए किया जाता था, वो सिर्फ उनकी पास की जमीन के कारण था। ठीक इसी प्रकार महंत ने बड़े प्यार और आदर-सत्कार से एक दिन खातिरदारी की, और जब उन्होंने जमीन को ठाकुर बाड़ी के नाम करने से मना कर दिया तो उन्हें बहुत तकलीफ और यातनाएँ दी गई।उनका अपहरण करवा कर , मुँह बांधकर उसमें कपडा ठूंस कर किसी कोठरी में बंद किया गया और जबरदस्ती अंगूठे का निशान भी ले लिया गया। वे दोनों ही सिर्फ जमीन जायदाद के लिए हरिहर काका से अपना व्यवहार रखा करते थे। इसीलिए उन्हें दोनों भाई एक ही श्रेणी में लगे।

Page : 19 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q3. ठाकुरबाड़ी के प्रति गाँव वालों के मन में अपार श्रद्धा के जो भाव हैं उससे उनकी किस मनोवृति का पता चलता हैं?

Answer. हमारी धारणा हमेशा से यही रही हैं कि गांव वाले बड़े सीधे और सादा जीवन व्यतीत करने वाले होते हैं। परंतु सच तो ये है, कि गाँव में रहने वाले लोग ऐसे लोगों पर जल्दी ही विश्वास कर लेते हैं जो धर्म से जुड़े हो। वे मंदिरो-मस्जिदों को पवित्र, निष्कलंक और ज्ञान का प्रतीक समझते है। लोग धर्म -मंदिर के पुजारी, पुरोहित , मंहतों पर बड़ी श्रद्धा और विश्वास रखते हैं। ये धर्म के व्यापारी कितने ही स्वार्थी और

नीच क्यों न हो परन्तु उनका विरोध करने से डरते हैं। यही कारण हैं कि ठाकुरबारी के लिए गाँव वालों के मन में बड़ी श्रद्धा थी। उनका सब सुख-दुःख उनसे जुड़ा था।

Page : 19 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q4. अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखते हैं। कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

Answer. हरिहर काका पढ़े-लिखे नहीं थे परंतु उन्हें दुनियादारी की बहुत समझ थी। ज़बरदस्ती जमीन को अपने नाम कराने के लिए उनके भाई उन्हें डराते थे। जब उन्हें सब के असली रंग दिख गए तब उन्होंने यह सोच लिया था, कि उनके भाई चाहे कितना दिखावा करे या महंत भड़काए वह अपनी जमीन किसी को नहीं देंगे। जब उनके भाइयों ने उन्हें धोखा दिया और महंत ने भी उनपर घात किया तब उनको यह समझ आ गया, कि उनसे किसी को कोई प्यार नहीं है। जो प्यार उन्हें मिल रहा है वह सिर्फ जायदाद के लिए है।

Page : 19 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q5. हरिहर काका को जबरन उठा ले जाने वाले कौन थे? उन्होंने उनके साथ कैसे बर्ताव किया?

Answer. हरिहर काका को जो लोग ज़बरदस्ती उठाकर ले गए थे, वे महंत के आदमी थे। उन्होंने कई बार हरिहर काका को ठाकुरबाड़ी के नाम पर अपनी जमीन जायदाद उनके नाम करने को कहा लेकिन काका नहीं मान रहे थे। अंत में उसने काका का अपहरण करवा लिया। उनके हाथ पैर अपने चेले और साधु संतों की सहायता से बंधवा थे। वो चीख चिल्ला न सके इसलिए उनके मुँह में कपड़ा भी ठूस दिया गया। ज़बरदस्ती उनके अँगूठे के निशान लेकर उन्हें एक कोठरी में बंद कर दिया। जब वहां पुलिस पहुँची तो खुद वो गुप्त दरवाज़े से निकल कर भाग गये।

Page : 19 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q6. हरिहर काका के मामले में गाँव वालों की क्या राय थी और उसके क्या कारण थे?

Answer. कहानी से यह जान पड़ता है, कि गाँव वालों को यह पता लग गया था कि काका का कोई सहारा नहीं हैं। इसी कारण सुख और आराम का लालच देकर महंत उन्हें अपने साथ ले गये थे।भाई उन्हें विनती करके केवल ज़मीन के लिए वापस ले आए थे। अब गाँव में दो पक्ष बन गए थे। एक उनका जो कि महंत के पक्ष में थे, वो चाहते थे कि काका अपनी जमीन जायदाद ठाकुरबाड़ी को धर्म के नाम पर देवें जिससे वो मरने के बाद मुक्ति, सुख,आराम और यश का अनुभव कर सकें। इन लोगों की सोच के हिसाब से, महंत बड़े ज्ञानी है व सब कुछ जानते है। वही दूसरा पक्ष वह था जो चाहता था, कि काका की ज़मीन परिवार के लोगों को मिले। ताकि इससे उनके परिवार का पेट भर सके। इस प्रकार दोनों ही पक्ष अपने हिसाब से सोच-विचार कर रहे थे। लेकिन काका के बारे में सोचने का समय किसी को नहीं था। काका विधुर थे, उनकी कोई संतान भी नहीं थी इसलिये पंद्रह बीघा ज़मीन को पाने के लिये ये सभी लोग सेंध लगाये बैठे थे।

Page : 19 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q7. कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लेखक ने यह क्यों कहा, "अज्ञान की स्थिति में ही मनुष्य मृत्यु से डरते हैं। ज्ञान होने के बाद तो आदमी आवश्यकता पड़ने पर मृत्यु को वरण करने के लिए तैयार हो जाता है।"

Answer. हरिहर काका को जब असलियत का पता लगा तो उन्हें समझ में आया कि सबको बस उनकी ज़मीन का लालच हैं, उनसे किसी को कोई लगाव नहीं। काका को वह लोग याद आए जिन लोगों ने अपने परिवार वालों की मोह माया में आकर अपनी ज़मीन उनके नाम कर दी और फिर रोज तिल-तिल कर मरते रहे। दाने-दाने को मोहताज़ हो गए। तभी उन्होंने यह सोचा कि ऐसे तड़प के मरने से तो एक बार में ही मरना बेहतर है। उन्होंने फैसला लिया कि वह जब तक जिंदा रहेंगे अपनी ज़मीन किसी के नाम नहीं करेंगें। जिससे हो सकता हैं उनके आस-पास के लोग उन्हें एक बार में ही मार दे। इसी कारण लेखक ने यह कहा कि अज्ञान की स्थिति में मनुष्य मृत्यु वरण को तैयार रहता है।

Page : 19 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q8. समाज में रिश्तों की क्या अहमियत हैं? इस विषय पर अपने विचार प्रकार कीजिए।

Answer. आज के दौर में समाज में मानवीय मूल्य तथा पारिवारिक मूल्य समाप्त होते नज़र आ रहे हैं। रिश्ते केवल व्यक्तिगत स्वार्थ पूरा करने का मार्ग हैं। । यहाँ तक कि लोग जरूरतों के हिसाब से एक- दूसरे मिलते हैं। जितना पैसा अधिक है उतना आदर-सम्मान अधिक है। जो रिश्तेदार गरीब होते है उनसे दूर रहना ही पसंद करते हैं। सबके लिये अपना स्वार्थ ही सबसे अहम है। समाचार पत्रों में ही ख़बरें पढ लीजिये है, कि ज़मीन ज़ायदाद के कारण पैसे एवं जेवरों के लिए लोग अपहरण और हत्या जैसी नीच हरकते करते हैं

Page : 19 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q9. यदि आपके आसपास हरिहर काका जैसी हालत में कोई हो तो आप उसकी मदद कैसे करेंगे?

Answer. यदि हमारे आस पास हरिहर काका जैसे हालत में कोई होगा तो हमसे जितना हो सकेगा हम उनकी सहायता करने की कोशिश करेंगें। उनकी तकलीफों का कारण जानने का प्रयत्न करेंगें। उनको ये अहसास करवायेंगे कि हम उनके साथ हर हालात में हैं। इस तरह मौन तथा अकेले रह कर दूसरे लोगों को मौका न दें अपनी जिंदगी उल्लास के साथ व्यतीत करें। स्वयंसेवी संस्था से मिलकर उनकी समस्या का समाधान ढूंढने का प्रयत्न करें। उन्हें नए लोगों से मिलने के लिये प्रेरित करेंगे।

Page : 19 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q10. हरिहर काका के गाँव में यदि मीडिया कि पहुँच होती तो उनकी क्या स्थिति होती? अपने शब्दों में लिखिए।

Answer. मीडिया आधुनिक जगत का वह हथियार हैं जो अति शक्तिशाली हैं। अगर हरिहर काका के गाँव में मीडिया पहुँच जाती तो सभी लोगों की असलियत सामने आ जाती, गाँव में महंत व उनके भाइयों की पोल खुल जाती। मीडिया वाले उनके साथ हुए अत्याचारों को लाइव कवर करके दिखाते। वे सभी व्यक्तियों को अन्याय की ये लाइव तस्वीरें दिखाकर बताते कि बुजुर्ग व्यक्ति के लिए किस प्रकार लोगो

की सोच बदल जाती है, और वो उनका फ़ायदा उठाने की सोचने लग जाते हैं। जिससे कई लोग हरि हर काका का.समर्थन करते तथा उन्हें न्याय मिलता। महंत और काका के परिवार को सजा मिलती।

Page : 19 , Block Name : बोध-प्रश्न